विष्णु, मनु, वशिष्ठ, विश्वामित्र, लोमश, याज्ञवल्क्य, गौतम, कणाद, व्यास, कपिल, पतजंलि, जैमिनी, मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम, योगेश्वर श्रीकृष्ण आदि अनेक दिव्य विभूतियों के लिए ईश्वरीय ज्ञान वेद ही सर्वोपरि था। इसे परमपिता परमात्मा की आपार कृपा और भारतवर्ष का सौभाग्य ही कहा जाऐगा कि आधुनिक युग में उपरोक्त ऋषियों-महषियों की ही परम्परा दण्डी स्वामी विरजानन्द जी तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती जी जैसे मनीषियों का प्रादुर्भाव हुआ जिनके लिए वेद ही सर्वेपरि था।

विदुषामनुचरः
चैतन्यमुनि
वैदिक वशिष्ठ आश्रम(महर्षि दयानन्द धाम)
महादेव, सुन्दर नगर, जिला मण्डी (हि० प्र०)
दूरभाष : 01907-207592, चलभाष : 09418053092